E - CONTENT

Subject : Economics
Class : B.A Part I (Paper II)
Topic : Functions and Objectives of WTO
(विश्व व्यापार संगठन के उद्देश्य एवं कार्य)

By :
EKATA KUMARI
Guest Faculty
(Assistant Proffesor)
Mahila College Sasaram; Rohtas
Email I'd :
bhardwajekata@gmail.com

World Trade Organisation

Introduction: प्रारंभिक मौद्रिक प्रणाली स्वर्णमान पर आधारित थी। युद्ध व अन्य अन्तर्राष्ट्रीय समस्याओं के कारण स्वर्णमान परित्याग कर दिया गया और उसके बाद अमेरिका ने ब्रेटन वुड्स नामक नगर पर जुलाई, 1944 'Bretton Woods Conference' करवाया जिसमें तीन अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं की स्थापना की बात कही गयी।

(i) International Bank for Reconstruction & Development
(ii) International Monetary Fund and
(iii) International Trade Organization.

'ITO' को अमेरिकी कांग्रेस द्वारा विरोध किए जाने के कारण इसकी स्थापना नहीं हो सकी। इसके विकल्प के रूप में 'GATT' अस्तित्व में आया।

'प्रशुल्क एवं व्यापार सम्बन्धी सामान्य समझौता' (GATT) एक विधि न होकर एक संगठन था जिसका मुख्यालय 'जेनेवा' नगर के फलस्वरूप 30 Oct 1947 को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने, व्यापार में प्रतियोगितात्मक प्रतिबन्धों को हतोत्साहित करने तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से सम्बन्धित विभिन्न समस्याओं को सुलझाने हेतु 23 राष्ट्रों ने (भारत सहित) एक समझौते पर हस्ताक्षर कर इसकी स्थापना की। यह समझौता 1 Jan. 1948 से लागू किया गया।

इस समझौते के अन्तर्गत सदस्य देशों ने 8 सम्मेलन किए जिनमें सदस्य देशों ने आपस में सीमा शुल्क कम करने के लिए द्विपक्षीय समझौते किए जिससे कि उन देशों के व्यापार में वृद्धि हो सके। इसका अंतिम आठवाँ अधिवेशन 'उरुग्वे राउंड' के नाम से विख्यात है। यह अधिवेशन Sep. 1986 में हुआ था तथा लगातार 6½ वर्षों के विचार विमर्श के फलस्वरूप 15 April 1994 को मोरक्को के मारकश नगर में होने के 124 सदस्य देशों ने इस पर हस्ताक्षर किए जिसके परिणामस्वरूप 1 Jan 1995 को 'WTO' की स्थापना कर दी गयी। 30 Dec. 1994 को इस समझौते पर हस्ताक्षर कर भारत इसका संस्थापक सदस्य बन गया। 104 देशों के समझौते के फलस्वरूप 'WTO' अस्तित्व में आया तथा जब इसने कार्य करना प्रारंभ किया तो इसके सदस्यों की संख्या 128 हो गयी। दोहा सम्मेलन (9-13 Nov. 2001) में चीन व ताइवान भी इसके सदस्य बन गए। इसके

मुख्यालय जेनेवा (स्विटजरलैण्ड) में है। 'WTO' का Director General 'Pascal Lamy' है। वर्तमान 'WTO' में इसके सदस्य संख्या 151 है।

Meaning of WTO: 'WTO' गैट का ही उत्तराधिकारी है। गैट के सदस्य देश समय समय पर एकत्रित होकर विश्व व्यापार की समस्याओं पर वार्ता करते थे और उन्हें सुलझाते थे परन्तु WTO अब एक सुव्यवस्थित और स्थायी विश्व व्यापार संस्था बन गयी है, इसकी एक कानूनी स्थिति है और यह विश्व बैंक तथा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के समकक्ष ही स्थान रखता है। यह एक नयी विश्व व्यापार प्रणाली है।

इस प्रकार, WTO सरकार के विभिन्न देशों के बीच अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रोत्साहित करने तथा सीमा शुल्क के बंधनों को कम करने के लिए किया गया आवश्यक सिद्धान्तों तथा नियमों से सम्बन्धित बहुपक्षीय समझौता और बंधन मुक्त संगठन है। यह एक बहुपक्षीय संधि है जो अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के नियमों का निर्धारण करती है।

Functions of WTO: 'WTO' के प्रमुख कार्य निम्न लिखित है –

(i) व्यापार एवं प्रशुल्क से सम्बन्धित मुद्दों के लिए एक उचित मंच सदस्यों को प्रदान करना।

(ii) विश्व संसाधनों का अनुकूलतम प्रयोग करना।

(iii) विश्व स्तर पर आर्थिक नीति निर्माण में अधिक सामंजस्य उत्पन्न करने के लिए IMF एवं IBRD का सहयोग करना।

(iv) व्यापार नीति समीक्षा प्रक्रिया से सम्बन्धित नियमों एवं प्रावधानों को लागू करना।

(v) विश्व व्यापार समझौता एवं बहुपक्षीय, यथा - बहुपक्षीय समझौते के कार्यान्वयन, प्रशासन एवं परिचालन हेतु सुविधाएं प्रदान करना।

(vi) सदस्यों के बीच उत्पन्न विवादों के निपटारे हेतु सम्बन्धित नियमों एवं प्रक्रियाओं को प्रशासित करना।

Objectives of WTO:

'WTO' के महत्वपूर्ण उद्देश्य निम्नलिखित हैं —

(i.) WTO का प्राथमिक उद्देश्य समझौते में दृष्टिगत नई विश्व व्यापार प्रणाली को लागू करना।

(ii.) विश्व व्यापार को इस अवधि से बढ़ावा देना ताकि प्रत्येक देश उससे लाभान्वित हो।

(iii.) विस्तृत वास्तविक आय और प्रभावी मांग में लगातार वृद्धि द्वारा रहन-सहन के स्तर पर सुधार करना।

(iv.) वस्तुओं, सेवाओं के उत्पादन तथा व्यापार का प्रसार

(v.) प्रशुल्क और व्यापार की रुकावटें तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सम्बन्धों में पक्षपातकारी व्यवहार को हटाना।

(vi.) विश्व में रोजगार के स्तर को बढ़ाने के विचार से उत्पादन के स्तर तथा उत्पादकता को बढ़ाना।

(vii.) उपभोक्ताओं को लाभान्वित करने तथा विश्व समन्वय की सहायता के लिए सभी व्यापारिक भागीदारों में प्रतियोगिता को बढ़ावा देना।

(viii.) संसार के संसाधनों का अधिकतम मात्रा में विस्तार तथा उपयोग करना।

(ix.) पर्यावरण रक्षा के साधनों का विस्तार आर्थिक विकास के विभिन्न स्तरों की आवश्यकताओं और समस्या के अनुरूप हो।

(x.) बहुपक्षीय संगठित व्यापार प्रणाली को विकसित करना।

(xi.) व्यापारिक एवं पर्यावरणीय सम्बन्धी नीतियों तथा सततीय विकास में सम्बन्धित स्थापित करना।

WTO के ये उद्देश्य गैट के उद्देश्यों से काफी सीमा तक मिलते-जुलते हैं। फिर भी, WTO के ये उद्देश्य निर्यात प्रतिस्पर्द्धा की नीति, बाजार पहुँच और स्वतन्त्र व्यापार को अधिक सख्ती से लागू करना आदि का प्रयास किया जाएगा।